कालो के काल | by Ravish Pandit

कालो के काल शिव महाकाल
उसे कौन छुए शिव जिसकी ढाल
गंगा है जटा में सर्प भाल
तन पे भभूत गल सर्प माल
शिव में समायी सारी सृष्टि
सृष्टि में शिव है समाया
ॐ नमः शिवाया, शिवाया, नमः शिवाया

पीके भंग भोले मलंग जब जोगनियो के संग डोले
भूत प्रेत औघड़ झूमे, महाकाल जटाये जब खोले
नरम तराज़ू शिव का डमरू, पाप पुण्य सबके तोले
अगड़ बम ब बम बगड़ बम ब बम, शिव में रविश धड़कन बोले
ॐ नमः शिवाया, शिवाया, नमः शिवाया

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%8b-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b2-by-ravish-pandit/